

अआइईउऊऋऌऐ एऐओओऋलू कखगघड•चछज झञटठडढणतथद धनपफबभमयरल ळवशषसहगजडुब ०१२३४५६७८९



Universal Declaration of Human Rights

मानवाधिकाराणां जागत-अभिघोषणायाः पंचाशत्तमा वर्षपूर्तिः। 1948-1998

hereas recognition of the inherent dignity and of the equal and inalienable rights of all members of the human family is the foundation of freedom, justice and peace in the world,

Whereas disregard and contempt for human rights have resulted in barbarous acts which have outraged the conscience of mankind, and the advent of a world in which human beings shall enjoy freedom of speech and belief and freedom from fear and want has been proclaimed as the highest aspiration of the common people,

Whereas it is essential, if man is not to be compelled to have recourse, as a last resort, to rebellion against tyranny and oppression, that human rights should be protected by the rule of law,

Whereas it is essential to promote the development of friendly relations between nations,

Whereas the peoples of the United Nations have in the Charter reaffirmed their faith in fundamental human rights, in the dignity and worth of the human person and in the equal rights of men and women and have determined to promote social progress and better standards of life in larger freedom,

Whereas Member States have pledged themselves to achieve, in cooperation with the United Nations, the promotion of universal respect for and observance of human rights and fundamental freedoms,

Whereas a common understanding of these rights and freedoms is of the greatest importance for the full realization of this pledge,

Now, therefore, The General Assembly proclaims this Universal Declaration of Human Rights as a common standard of achievement for all peoples and all nations, to the end that every individual and every organ of society, keeping this Declaration constantly in mind, shall strive by teaching and education to promote respect for these rights and freedoms and by progressive measures, national and international, to secure their universal and effective recognition and observance, both among the peoples of Member States themselves and among the peoples of territories under their jurisdiction.

» अनुच्छेद: 1

सर्वे मानवाः स्वतन्त्राः समुत्पन्नाः वर्तन्ते अपि च, गौरवदृशा अधिकारदृशा च समानाः एव वर्तन्ते। एते सर्वे चेतना-तर्क-शक्तिभ्यां सुसम्पन्नाः सन्ति। अपि च, सर्वेऽपि बन्धुत्व-भावनया परस्परं व्यवहरन्तु।

» अनुच्छेद: 2

अस्यां अभिघोषणायां निर्दिष्टाः सर्वेऽपि अधिकाराः सर्वाण्यपि च स्वातन्त्र्याणि, विनैव जाति-वर्ण-लिंग-भाषा-धर्म-राजनीतिक-तदितर-मन्तव्यादि-भेदम्, राष्ट्रीयं सामाजिकाधारं सम्पज्जन्म-तदि-तर स्तरञ्च अविगणय्य, अधिगन्तुं सर्वोऽपि जनः प्रभवति। एतदितिरिक्तम्, कस्याश्चिदिषि प्रभुसत्तायाः नियमनान्तर्गतम्, स्वाधीनस्य आत्मप्रशासनेतर-तन्त्रस्य, न्यासितन्त्रस्य वा वास्तव्यस्य प्रदेशस्य देशस्य वा राजनीतिक-सीमा-निबन्धनान्ता-राष्ट्रिक-स्तराधारेण न कोऽपि भेदो विधास्यते।

» अनुच्छेद: 3

सर्वोऽपि जन: जीवन-स्वातन्त्र्य-सुरक्षाधिकारं संधत्ते।

» अनुच्छेद: 4

न कमपि जनं दासत्वेन पराधीनत्वेन वा धारयितुं अनुज्ञास्यते। अपि च दासव्यापारः पूर्णरूपेण प्रतिषिद्धः स्थास्यति।



Exclusive: बाल मजदूरी के खात्मे तक करूंगा संघर्ष, तभी मिलेगी 'असली सफलता': कैलाश सत्यार्थी

नई दिल्ली। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे बचपन बचाओ आंदोलन के संस्थापक कैलाश सत्यार्थी को वर्ष 2014 का शांति के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने की उनके स्टाफ ने जानकारी दी, तो पहले उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। फिर अचानक उनके मुंह से निकला, 'नोबेल पुरस्कार'। यह वे पल थे, जब उनकी आंखें पहली बार नम देखी गई। इससे पहले उनके स्टाफ या परिवार के लोगों ने उन्हें इतना भावुक नहीं देखा था।

इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए कैलाश सत्यार्थी के नाम की घोषणा होने के बाद वे एकाएक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों के केंद्र में आ गए। कालकाजी के एल ब्लॉक स्थित उनके दफ्तर में कुछ देर बाद ही हालात यह हो गए कि यह पूरा इलाका मीडिया और लोगों की भीड़ से जाम हो गया। यही नहीं, बचपन बचाओ आंदोलन की वेबसाइट पर भी इतना इंटरनेट ट्रैफिक आया कि वह क्रैश तक हो गई।

1980 से अब तक 82, 625 बच्चों को बाल मजदूरी के दंश से छुटकारा दिलाने वाले कैलाश सत्यार्थी का मानना है कि अब उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है। वह इसे दुनिया भर के करोड़ों बच्चों का सम्मान मान रहे हैं। तमाम व्यस्तताओं के बीच कैलाश सत्यार्थी ने dainikbhaskar.com से विशेष बातचीत की। पढ़िए कुछ अंश-

प्रश्न: आपको शांति के लिए पाकिस्तानी लडक़ी मलाला के साथ नोबेल पुरस्कार मिला है। कैसे देखते हैं इसे?

कैलाश सत्यार्थी: यह मेरा नहीं, बल्कि उन करोड़ों बच्चों का सम्मान है, जिनके समाज की मुख्य धारा में अब तक कोई पहचान नहीं मिली। जिन्हें उनके अधिकार और उनकी आजादी नहीं मिली। आज भी दुनिया भर में करोड़ों बाल श्रमिक हैं। लिहाजा, यह सम्मान उन तमाम सभी बच्चों का है। मैं इस सम्मान को पूरे देश के गर्व के साथ जोड़ कर देखता हूं।

कम उत्पादन के बावजूद ज्यादा नहीं बढ़ेंगी ग्वार की कीमतें, कैरी ओवर स्टॉक देगा सपोर्ट

Commodity Team | Oct 10, 2014, 21:39 pm

देश में इस बार ग्वार का उत्पादन 10 लाख टन तक घट सकता है। हालांकि, एक्सपर्ट इसके बावजूद कीमतों में बड़ी तेजी की बात को नकार रहे हैं। पिछले सीजन का ज्यादा कैरी ओवर स्टॉक और मांग की तुलना में ज्यादा सप्लाई इसका अहम कारण है।

दायरे में रहेंगी कीमतें

अक्टूबर-मार्च के दौरान ग्वार सीड 5000-6000 रुपए प्रति क्विंटल पर कारोबार कर सकता है। वहीं, ग्वार गम की कीमतें 15,000-18,500 रुपए प्रति क्विंटल के बीच रहने का

अनुमान है। लुसिड कोलाइड्स के एमडी उदय मर्चेट का कहना है कि 5000 रुपए प्रति क्विंटल ही ग्वार सीड का सही भाव है। इससे पहले 2011-12 में ग्वार के दाम में आई तेजी काल्पनिक थी, जो वायदा बाजार में हुई हेरा-फेरी के चलते दर्ज की गई थी।

Ron Rash

«एक बड़े घाटे से कई गुना अच्छा होता है एक छोटा मुनाफा।»

कितना रह सकता है उत्पादन

बाजार से जुड़े सुत्रों के मुताबिक, चालू सीजन में ग्वार का उत्पादन 20 से 23 लाख टन तक रह सकता है, जबिक पिछले साल उत्पादन 30 लाख टन था। ऐसे में इस सीजन में उत्पादन में 7 से 10 लाख टन तक की कमी रह सकती है। वहीं, कुछ कारोबारियों का मानना है कि देश में उत्पादन आधा हो सकता है। हालांकि, उत्पादन को लेकर अभी सरकारी आंकड़ें जारी नहीं हुए हैं।



भारत आधिकारिक नाम Grumpy wizards

9: भारत आधिकारिक नाम भारत गणराज्य (अंग्रेज़ी:Republic of India,रिपब्लिक ऑफ़ इंडिया) दक्षिण एशिया में स्थित भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा देश है पूर्ण रूप से उत्तरी गोलार्ध में स्थित भारत का भौगोलिक विस्तार ८° ४' से ३७° ६' उत्तरी अक्षांश तक तथा ६८° ७' से ९७° २५'पूर्वी देशान्तर तक है और इसका भौगोलिक विस्तार उत्तर से दक्षिण तक ३,२१४ कि. मी. और पूर्व से पश्चिम तक २,९३३ कि. मी. है भारत की समुद्र तट रेखा ७५१६.६ किलोमीटर लम्बी है [8] भारत, भौगोलिक दृष्टि से विश्व में सातवाँ सबसे बड़ा और जनसँख्या के दृष्टिकोण से दूसरा सब से बड़ा देश है भारत के पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर-पूर्व में चीन, नेपाल, और भूटान, पूर्व में बांग्लादेश और म्यान्मार और उत्तर पश्चिम में अफगानिस्तान देश स्थित है हिन्द महासागर में इसके दक्षिण पश्चिम में मालदीव, दक्षिण में श्रीलंका और दक्षिण-पूर्व में इंडोनेशिया से भारत की सामुद्रिक सीमा लगती है इसके उत्तर की भौतिक सीमा हिमालय पर्वत से और दक्षिण में हिन्द महासागर से ब...

18: Grumpy wizards make toxic brew for the evil Queen and Jack. One morning, भारत आधिकारिक नाम भारत गणराज्य (अंग्रेज़ी:Republic of India,रिपब्लिक ऑफ़ इंडिया) दक्षिण एशिया में स्थित भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा देश है पूर्ण रूप से उत्तरी गोलार्ध में स्थित भारत का भौगोलिक विस्तार ८° ४' से ३७° ६' उत्तरी अक्षांश तक तथा ६८° ७' से ९७° २५'पूर्वी देशान्तर तक है और इसका भौगोलिक विस्तार उत्तर से दक्षिण तक ३,२१४ कि. मी. और पूर्व से पश्चिम तक २,९३३ कि. मी. है भारत की समुद्र तट रेखा ७५१६.६ किलोमीटर लम्बी है [8] भारत, भौगोलिक दृष्टि से विश्व में सातवाँ सबसे बड़ा और जनसँख्या के दृष्टिकोण से दूसरा सब से बड़ा देश है भारत के पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर-पूर्व में चीन, नेपाल, और भूटान, पूर्व में

13: He lay on his armour-like back, and if he lifted his head a little he could see his brown belly, slightly domed and divided by arches into stiff sections. भारत आधिकारिक नाम भारत गणराज्य (अंग्रेज़ी: Republic of India,रिपब्लिक ऑफ़ इंडिया) दक्षिण एशिया में स्थित भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा देश है पूर्ण रूप से उत्तरी गोलार्ध में स्थित भारत का भौगोलिक विस्तार ८° ४' से ३७° ६' उत्तरी अक्षांश तक तथा ६८° ७' से ९७°

२५'पूर्वी देशान्तर तक है और इसका भौगोलिक विस्तार उत्तर से दक्षिण तक ३,२१४ कि. मी. और पूर्व से पश्चिम तक २,९३३ कि. मी. है भारत की समुद्र तट रेखा ७५१६.६ किलोमीटर लम्बी है [8] भारत, भौगोलिक दृष्टि से विश्व में सातवाँ सबसे बड़ा और जनसँख्या के दृष्टिकोण से दूसरा सब से बड़ा देश है भारत के पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर-पूर्व में चीन, नेपाल, और भूटान, पूर्व में बांग्लादेश और म्यान्मार और उत्तर पश्चिम में अफगानिस्तान देश स्थित है हिन्द महासागर में



Test File For Lohit Devanagari

One can also test Lohit Devanagari from http://utrrs-testing.rhcloud.com/language/hi/gsub Created by Sneha Kore <skore@redhat.com> - 2013

महाराष्ट्र शासन वर्णमालाः स्वरः अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॡ ए ऍ ऐ ओ ऑ औ स्वरादीः:

व्यंजनः क् ख् ग् घ् ङ् च् छ् ज् झ् ज् ट् ठ् ड् ढ् ण् त् थ् द् ध् न् प् फ् ब् भ् म् य् र् ल् व् श् ष् स् ह् ळ् इतर व्यंजनेः क्षू ज् अंकः ०१२३४५६७८९

As per Microsoft typography for Developing OpenType Fonts for Devanagari Script, the features can be specified in the order given as:

Localized Forms:

<feature tag >locl: Localized form substitution ল श क्व श्श क्त ल श क्क श्श क्त

Basic Shaping Forms:

<feature tag> nukt: Nukta form substitution ক্ লু ग ज इ ढ़ फ़ य

<feature tag> akhn: Akhand ligature substitution ধ্ব র

<feature tag> rphf: Reph form substitution

े के र्ख र्ग र्घ र्ङ चे र्छ जे र्झ र्ज टे ठे र्ड ढे र्ण र्त र्थ र्द ध ने प फे बे भे में ये रे र्ल वे र्श र्ष से हे ळे क्षे ज्ञे ..

<feature tag> pref: Rakaar form substitution क्र ख़ ग्र घ़ च ज़ झ ज़ प्र त्र थ़ द्र ध़ त्र प्र फ़ ब्र भ्र म्र ग्र रं ल त्र श्र स ह क्ष ज़ ..

छ्ट्रह्रद्रळ्

<feature tag> half: Half-form substitution क्र खख ग्ग घ्य च्य छछ ज्ज इझ ञ्ञ ट् ठ् ड् ढ् ण् त त्त थ्य द्द ध्य त्र प्प फ्फ ब्ब भ्भ म्म य्य ल्ल व्य श्श स्स हह ळ्ळ क्षक्ष ज्ञ्ज्ञ

<feature tag> cjct: Conjunct form substitution রু রু রু রু রু হুষ্ম ব্লু

Mandatory Presentation forms

<feature tag> pres: Pre-base substitution ff*

कि खि गि घि ङि चि छि जि झि जि टि ठि डि ढि णि ति थि दि धि नि पि फि बि भि मि यि रि लि वि शि षि सि हि ळि क्षि जि

किं खिं गिं घिं डिं चिं छिं जिं झिं जिं टिं ठिं डिं ढिं णिं तिं थिं दिं धिं निं पिं फिं बिं भिं मिं यिं रिं लिं विं शिं षिं सिं हिं ळिं क्षिं ज्ञिं

किं खिं गिं घिं ङिं चिं छिं जिं झिं जिं टिं ठिं डिं ढिं णिं तिं थिं दिं धिं निं पिं फिं बिं भिं मिं यिं रिं लिं विं शिं षिं सिं हिं ळिं क्षिं जिं

<feature tag> abvs: Above-base substitution

के खे गे घे ड़े चे छे जे झे ञे टे ठे डे ढे णे ते थे दे धे ने पे फे बे भे मे ये रे ले वे शे षे से हे ळे क्षे ज्ञे कें र्खे गें घें र्डे चें छें जें झें जें टें ठें डें ढें णें तें थें दें धें ने पें फे बें भें में यें रें लें वें शें षें सें हें ळें क्षें ज़ें कें खें गें घें डें चें छें जें झें जें टें ठें डें ढें जों तें थें दें धें नें पें फें बें भें में यें रें लें वें शें षें सें हें ळें क्षें ज़ें के खे गे घे ड़े चे छे जे झे ञे टे ठे डे ढे णे ते थे दे धे नै पै फे बे भे मे ये रे ले वे शे षे से हे ळे क्षे ज्ञे कें खें गें घें हैं चैं छैं जैं झैं जैं टैं ठैं हैं ढैं णैं तें थें दें धैं ने पैं फें बैं भें में र्यें रैं लैं वैं शैं षैं सैं हैं ळैं क्षें ज़ें को खो गो घो ङो चो छो जो झो ञो टो ठो डो ढो णो तो थो दो धो नो पो फो बो भो मो यो रो लो वो शो षो सो हो ळो क्षो कीं खीं गीं घीं ड़ों चों छों जों झों जों टों ठों डों ढों णों तों थों दों धों नों पों फों बों भों मों यों रों लों वों शों षों सों हों ळों क्षों को खो गो घो ङो चो छो जो झो ञो टो ठो डो ढो णो तौ थौ दौ धौ नौ पौ फौ बौ भौ मौ यौ रौ लौ वौ शौ षौ सौ हौ ळौ क्षौ कीं खीं गीं घीं डीं चीं छीं जीं झीं जीं टीं ठीं डीं ढीं णीं

तों थीं दों धीं नों पीं फीं बीं भीं मीं यीं रीं लीं वीं शीं षीं

र्सी हीं ळीं क्षीं

<feature tag> blws: Below-base
substitution

<feature tag> psts: Post-base substitution }

की खी गी घी डी ची छी जी झी जी टी ठी डी ढी णी ती थी दी धी नी पी फी बी भी मी यी री ली वी शी षी सी ही ळी क्षी ज़ी

कीं खीं गीं घीं डीं चीं छीं जीं झीं जीं टीं ठीं डीं ढीं णीं तीं थीं दीं धीं नीं पीं फीं बीं भीं मीं यीं रीं लीं वीं शीं षीं सीं हीं ळीं क्षीं ज़ीं

कीं खीं गीं घीं डीं चीं छीं जीं झीं जीं टीं ठीं डीं ढीं णीं तीं थीं दीं धीं नीं पीं फीं बीं भीं मीं यीं रीं लीं वीं शीं षीं सीं हीं ळीं झीं जीं

<feature tag> haln: Halant form substitution कृ ख् ग् घ् ङ् च् छ् ज् झ् ञ् ट् ठ् इ ढ् ण् त् थ् द् ध् न् प् फ् ब् भ् म् य् र् ल् व् श् ष् स् ह् ळ क्षू ज् ऱ्य

Glyph Testing Section

र्ह र्य

क

दुध्र्य

श्र

क्त

ङक्त

कि द्वि द्विट झि हि हि श्वि हि स्थि ग्निन क्त शृ खाँ खाँ खाँ काँ किं दू दू द किं क्ल खि खा ग्रि कीं हि य अरदिल्ला दे मि चोरङोन विदर्भ शिक्षक असावेत "बेस्ट ऑफ दी ब्रेन्स' परदेशी विद्यार्थांसाठी केवायसी नियम शिथिल तंटामुक्तीतील ८७ जिल्ह्यांना पुरस्कार रकमेची प्रतीक्षा ष्ठ ह ह ह छू क्र अधिकारी अश्वमेध अश्विनी अस्मिता पैश्याच्या मृंब्र्यात मृंब्रा ब्र्य